Prepp
Your Personal Exams Guide

Total No. of Printed Pages – **2**

CCSME21 **832219**

PAPER / पत्र – II

NAGPURI LANGUAGE AND LITERATURE

नागपुरी भाषा एवं साहित्य

SUBJECT CODE / विषय कोड : 11

Full Marks : 150
पूर्णांक : 150

Time : 3 Hours
समय : 3 घण्टे

निर्देश :

(i) कुल **छव** ठो सवाल कर जबाब देउ । प्रश्न सं. **1** आउर **5** अनिवार्य हय ।

(ii) हरेक खंड से **1** आउर **5** अनिवार्य सवाल कर अलावे कम से कम एक ठो सवाल कर जबाब एक खंड से देवेक जरूरी हय ।

खंड – क

1. हेंठे देल सवालमन में से कोनो **पाँच** ठो सवाल कर जबाब संक्षेप में लिखु । **(7 × 5 = 35)**

   (क) नागपुरी भासा कर उद्‌भव कर बारे में बिदुवानमनक मत इया बिचार के बताउ ।

   (ख) नागपुरी में भूतकाल कर भेदमन के उदाहरन संगे लिखु ।

   (ग) 'अब्यय' का के कहयँना ? नागपुरी कर अब्ययमन के उदाहरन संगे लिखु ।

   (घ) नागपुरी में कय किसिम कर वाक्य पावल जायला ? उदाहरन संगे लिखु ।

   (ङ) नीति से जुड़ल सात ठो नागपुरी कहाउत के उकर अरथ सहित लिखु ।

   (च) नागपुरी कर उदासी एग कर बारे में लिखु ।

   (छ) नागपुरी कर गीतमनक रचना–विधान आउर छंद कर बिसेसतामनक बारे में लिखु ।

2. नागपुरी गीत–कविता में आधुनिकता कर कारक तत्वमन के उजागर करु । **20**

3. नागपुरी में मौखिक परंपरा से आवल बालगीतमनक बारे में लिखु । **20**

4. नागपुरी कहनी कर उद्‌भव आउर विकास के सिलसिलेवार ढंग से लिखु । **20**

Prepp
Your Personal Exams Guide

Marks
अंक

खंड – ख

5. हेंठे देल सवालमन में से कोनो **पाँच** सवाल कर जबाब संक्षेप में लिखु । **(7 × 5 = 35)**

(क) नागपुरी कवि घासीराम कर किरितिमनक चरचा आपन सबद में करु ।

(ख) कवि हनुमान सिंह कर कोनो एक ठो गीत कर आसय लिखु ।

(ग) शारदा प्र. शर्मा कर कोनो एक ठो किरिति कर बारे में चरचा करु ।

(घ) कृष्ण प्र. साहु 'कलाधर इया मधु मंसुरी' 'हँसमुख' कर कोनो एक ठो गीत कर भाव के लिखु ।

(ङ) नागपुरी गीतमन में बंगला कर परभाव कर बारे में लिखु ।

(च) सरहुल परब कर महातम के उजागर करु ।

(छ) हेंठे देल गद्यांस कर नागपुरी में अनुवाद करु ।

आरम्भ में नागपुरी साहित्य लोकगीतों एवं कथा – कहावतों के रूप में रहा होगा, क्योंकि भाषा–साहित्य के विकास का यह अनिवार्य चरण है । इसकी मधुर धारा आज भी तरल – तरंगित है । यही स्वच्छन्द धारा कालक्रम से काव्यगुण मण्डित होकर शिष्ट साहित्य के धरातल पर उतरी होगी । नागपुरी साहित्य को इस धरातल पर लाने का अधिकांश श्रेय भक्ति – चेतना को रहा होगा, प्राप्त साहित्य से ऐसा ही प्रतीत होता है । जो भी हो, किन्तु इस धरातल पर आकर नागपुरी तीर्थरूप हो गई ।

6. नागपुरी कवि कंचन कर काव्य – सुन्दरइ के आपन सबद में लिखु । **20**

7. डॉ. बी.पी. केशरी कर रचनामनक एगो सूची बनाय के कोनो एक ठो नागपुरी रचना (किरिति) कर समीक्षा करु । **20**

8. 'सहिया प्रथा' इया 'झारखंड कर जलप्रपात' (घाघ) ऊपरे एगो सुन्दर निबन्ध लिखु । **20**